अखिल भारतीय शुक्ल यजुर्वेदीय कण्व (प्रथम शाखा) परिषद

Encl - 8

१५वा अधिवेशन

॥ श्री याज्ञवल्क्य गुरुभ्योनमः ॥

॥ श्री कण्व महामुनीये नमः ॥

* सन्मानपत्र *

कण्वभूषण

वे.शा.सं. शत्रुघ्न पाणिग्रही

महोदय, आपका जन्म ६-५-७३ को पिता सत्यवादी माता सेवती जैसे आध्यात्मिक परिवारमें कण्वशाखा में जिला वेरसाल गिरसोमनावा में हुआ। आपका शिक्षण उत्कल विश्वविद्यालय से आचार्य एम.ए., शिक्षाशास्त्री बी.एड., विसिष्टाचार्य एम.फील, विद्यावारिधी पी.एच.डी. हुये।

आप प्रारंभमें जगन्नाथ संस्कृत वेद विद्यालय, पुरी में लेक्चरर होके अभी सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, वेरसाल, गुजराथ में प्रोफेसर है।

आपने १० विद्यार्थीयोंको शुक्ल यजुर्वेदी काण्वशखा और ऋग्वेदीयो को भी मार्गदर्शन किया। ४ ट्रेनिंग कोर्स को मार्गदर्शन, ५८ विविध सभा को पेपर तयार किया और १२ आंतरराष्ट्रीय सभा मुख्य अतिथी के रूपमें कार्य किया।

इसलिए आपको श्री श्रीं १००८ श्री विद्यावारिधी तीर्थ स्वामीजी, कण्व मठाधीश, हुणशीहोळे, यादगीर, कर्नाटक इनके अमृत करकमलों द्वारा 'कण्वभूषण' पुरस्कार से सम्मानित करते अखिल भारतीय काण्व परिषद को आनंद हो रहा है।

स्थल : ...बाद, गुजरात
दिनांक : ...

प्रल्हाद ...गिरी कुलकर्णी

...शान्त कृष्णाजी काण्णव

दिनांक - 12 - 02 - 2017